ग्राहक परामर्शः मेक–अप प्रक्रिया में पहला कदम ग्राहक से **ही** परामर्श करना होता है। मेकअप उस स्थिति से जुड़ा है कि लोग स्वयं कैसा **देखना** पसंद करते हैं और साथ ही वे अन्य को कैसा **दिखाना** चाहते हैं। मेक–अप सेवा को सदा संक्षिप्त परिचय के साथ शुरू करना चाहिए। आप ग्राहक को देखकर उनकी व्यक्तिगत पसंद और ड्रेस पहनने के उनके तरीके का अनुमान लगा सकते हैं। इससे आपको उनके साथ परामर्श जारी रखने में सहायता मिलेगी। प्रत्येक ग्राहक अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं और उम्मीदों के साथ आते हैं। हमें सुनना चाहिए कि ग्राहक क्या कहना चाहते हैं और उनको सुझाव देना चाहिए किंतु आप अपना विचार न थोपें क्योंकि हर ग्राहक भिन्न है। ग्राहक को प्रोत्साहित करें कि वे अपनी किन्हीं चिंताओं से अवगत कराएं ताकि आप उनके साथ इन पर चर्चा कर सकें और उपयुक्त समाधान दे सकें।

जहां तक संभव हो सके ग्राहक की त्वचा की स्थिति, जिस कॉस्मेटिक उत्पादों का वह प्रयोग करती हैं, रंग से जुड़ी उनकी पसंद, किसी विशेष कॉस्मेटिक उत्पाद से एलर्जी के बारे में सूचना एकत्रित करें क्योंकि इससे उनके लिए सही प्रकार के उत्पादों के चयन में सहायता मिलेगी। उनसे उनकी मेकअप की आवश्यकताओं की जांच करने के लिए एक प्रश्नावली भरने के लिए कहें।

निम्न प्रकार के प्रश्न पूछेः

क) क्या वह सामान्य रूप में मेकअप करती है? यदि हां, तो वह कौन सा रंग और कौन से उत्पाद इस्तेमाल करती है?

ख) किस अवसर पर वह मेक–अप सेवाएं लेती हैंः–
- (i) कारोबार
- (ii) आनंद
- (iii) सामाजिक अवसर
- (iv) विवाह /गठबंधन जैसे विशेष अवसर

ग) मेकअप से उनकी क्या अपेक्षाएं होती हैं?

घ) मेक अप से वह किस प्रकार की सुंदरता की अपेक्षा करती है?

ग्राहक की अपेक्षाओं पर चर्चा करने पर समय देने और इस संपूर्ण प्रक्रिया में उन्हें शामिल करने से आत्मविश्वास और विश्वास बढ़ेगा। वह इस मेक–अप सेवा के दौरान अधिक आरामदायक महसूस करेगी।

इस सेवा के पूरे होने पर सादर प्राप्त सूचनाएं दर्ज करें, इससे इसी प्रकार के अन्य ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करने में सहायता प्राप्त होगी।

मेक अप संबंधी प्रश्नावली

प्रथम नाम .... अंतिम नाम...

जन्म तिथि .... वर्षगांठ...

आवासीय पता...

व्यवसाय...

दूरभाष (आवास).. मोबाइल...

प्रश्न 1 क्या आपने कभी पेशेवर मेकओवर करवाया है? हां/नहीं

प्रश्न 2 यदि हां, तो उस सेवा के दौरान आपको क्या पसंद या नापसंद आया ?

....

प्रश्न 3 क्या आप सामान्य तौर पर मेक अप करती हैं हां/ नहीं

प्रश्न 4 क्या आपको स्वास्थ्य संबंधी कोई ऐसी बीमारी है जो आपकी त्वचा अथवा आंखों को संवेदनशील बना सकती है? यदि हां, तो कृपया उसका ब्यौरा दें।

....

प्रश्न 5 क्या आपको किसी सौंदर्य प्रसाधन वस्तु से एलर्जी ज्ञात है? यदि हां, तो कृपया उल्लेख करें।

....

प्रश्न 6 आपके चिंता के विशेष क्षेत्र कौन से हैं?

....

प्रश्न 7 आपका पसंदीदा रंग कौन सा है?

....

प्रश्न 8 आप उस खास अवसर पर कौन से रंग और ड्रेस स्टाइल को पहनने वाली हैं?

....

प्रश्न 9 क्या आप कांटेक्ट लेंस पहनती हैं? हां/नहीं

प्रश्न 10 आप अपने मेक–अप के लिए किसी आदर्श चेहरे के बारे में बताएं ....

....

ग्राहक का हस्ताक्षर तिथि

त्वचा और रंग के प्रकार को निर्धारित करना

किसी ग्राहक हेतु मेक अप का डिजाइन करने के लिए आपको निम्नलिखित **को** समझना चाहिए:

- त्वचा के प्रकार और स्थिति
- त्वचा का रंग

	SKIN TYPE	ETHNICITY
	FAIR	Very Light Caucasian
	LIGHT	Caucasian Light Asian
	MEDIUM LIGHT	Tan Caucasian Light Hispanic
	MEDIUM DARK	Hispanic Deeply Tanned Caucasian Medium Asian
	DARK	Islander Native American Mulatto Light African-American
	DEEP	African-American

त्वचा का प्रकार और रंग: मेक–अप सेवा प्रदान करने के एक भाग के रूप में एक मेक–अप आर्टिस्ट के लिए यह आवश्यक है कि वह सर्वप्रथम त्वचा के प्रकार एवं उसकी अवस्था का विश्लेषण करे। विभिन्न व्यक्तियों में मूलभूत त्वचा की बनावट में कोई अंतर नहीं होता किंतु प्रत्येक व्यक्ति की त्वचा का मनोवैज्ञानिक कार्य भिन्न होता है, जो हमारी त्वचा के प्रकार का निर्धारण करता है। मेक–अप के लिए सही सौंदर्य वस्तुओं और उत्पादों के चयन के लिए त्वचा के प्रकार और उसकी अवस्था के संबंध में सूचना आवश्यक है। त्वचा के प्रकार और इसकी अवस्था की पहचान करने के तीन तरीके हैं –

(1) शुरूआती अवलोकन (ग्राहक से प्रश्न पूछकर) ।

(2) देख कर विश्लेषण (ग्राहक की त्वचा को देखकर)।

(3) स्पर्श द्वारा विश्लेषण कर (ग्राहक की त्वचा को स्पर्श कर और महसूस कर)।

मुख्यतः त्वचा चार प्रकार की होती है–

(क) सामान्य

(ख) शुष्क

(ग) चिपचिपा/ तैलीय त्वचा

(घ) **म श्रत** त्वचा

मेक–अप करते समय आप संवेदनशील, परिपक्व त्वचा जैसी कुछ अन्य त्वचा प्रकारों से रूबरू हो सकते हैं।

विभिन्न प्रकार की त्वचा की विशेषताएंः

क्र. सं.	त्वचा के प्रकार	विशेषताएं	तस्वीर
1.	सामान्य त्वचा	• रोमछिद्र का आकार छोटा होता है। • नमी की मात्रा सही होती है। • त्वचा में समान रूप से चमक होती है। • रंग स्वस्थ्य होता है, त्वचा पर कोई रंजक या दाग नहीं होता है। • छूने पर यह त्वचा गर्म महसूस होती है।	
2.	शुष्क त्वचा	• रोमछिद्र का आकार छोटा और सख्त होता है। • नमी की मात्रा सही नहीं होती है। • **त्वचा की संरचना ठीक नहीं होती हैं।** • समय पूर्व बुढ़ापा सामान्य है; आंखों, नाक, मुंह और गर्दन के आसपास झुर्रियां देखी जा सकती है। • त्वचा संवेदनशील **व पपड़ी वाली होती** है। • इस प्रकार की त्वचा में धब्बे और असामान्य रंजक देखे जा सकते हैं।	
3.	चिपचिपा/ तैलीय त्वचा	• रोमछिद्र बड़े होते हैं। • इसमें नमी की मात्रा अधिक होती है। • त्वचा रूखी और मोटी होती है। • कतिपय रोग यथा मुंहासे, कमडन, मिलिया आदि तैलीय त्वचा पर उभर सकते हैं। • सामान्यतया त्वचा पर असामान्य रंजक होते हैं।	

4.	म श्रत त्वचा	• टी–क्षेत्र में रोमछिद्र बड़े होते हैं जबकि गालों पर उनका आकार छोटा और मध्यम होता है। • तैलीय क्षेत्र में नमी की मात्रा अधिक होती है और शुष्क क्षेत्र में इसकी मात्रा कम होती है। • असामान्य रंजक होता है। • टी–क्षेत्र में दाग–धब्बे हो सकते हैं और शुष्क क्षेत्र में **को शका** खंडित हो सकते हैं।	
5.	स्वेदनशील त्वचा	• इस प्रकार की त्वचा में गाल के भाग में खंडित केशिकाएं हो सकती हैं। • त्वचा पर सतह **चत्तेदार** (फ्लैकिंग) होती है। • जो त्वचा संवेदनशील होती हैं वे कतिपय चीजों के प्रति एलर्जी होती हैं। नोटः संवेदनशील त्वचा के लिए सदैव हाइपो एलर्जिक उत्पादों का इस्तेमाल करें।	
6.	परिपक्व त्वचा	• इस प्रकार की त्वचा शुष्क हो जाती है क्योंकि सेबासियस ग्रंथियां और स्वैट ग्रंथियां कम सक्रिय होती हैं। • अनियमित रंजक के धब्बे प्रकट हो सकते हैं। • गालों पर खंडित केशिकाएं प्रकट हो सकती हैं। • मांसपेशी की कसावट में कमी आने से चेहरे के नूर में कमी आती है।	

त्वचा रंग का निर्धारणः

मनुष्य को विभिन्न स्रोतों से रंगों की प्राप्ति होती है–

- मेलेनोसाइट्स से उत्पन्न मेलेनिन हमे गहरा भूरा वर्ण प्रदान करता है। इसमें उपस्थित मेलेनिन की मात्रा और इसके प्रकार न सिर्फ हमारी त्वचा को रंग प्रदान करता है बल्कि हमारे बालों और हमारी आंखों को भी रंग प्रदान करता है।
- हिमोग्लोबिन में उपस्थित हेम लाल रक्त कोशिकाओं को लाल रंग प्रदान करता है। हिमोग्लोबिन की सही मात्रा से त्वचा का रंग स्वस्थ्य दिखता है।
- केरोटिन इस त्वचा रंग को पीला रंगत प्रदान करता है।
- ऑक्सीजन की कमी से त्वचा के रंग में नीलापन आता है विशेषकर होठों, अंगूठों और उंगलियों के शीर्ष भाग पर।

त्वचा रंग का निर्धारण करते समय हमें पहले यह निर्णय करना चाहिए कि क्या उक्त त्वचा हल्की है या मध्यम या गहरी है। उसके पश्चात यह निर्धारित करना चाहिए कि रंगत उष्ण है या शीतल।

एक बार जब आप त्वचा के रंग के बारे में सुनिश्चित हो जाते हैं तो अपने फाउंडेशन को मैच करें और त्वचा रंग के साथ आंख, गाल और होठों के रंगों को मैच करें।

- यदि त्वचा का रंग हल्का है तो मृदु स्वभाविक रूप के लिए हल्के रंगों का प्रयोग करें।
- यदि त्वचा का रंग मध्यम हो तो मध्यम रंग से उक्त रूप निखरेगा।
- यदि त्वचा का रंग गहरा हो तो गहरी रंगत सबसे उपयुक्त होगी।

विश्व के अलग अलग भागों में लोगों की त्वचा की रंगत में सामान्य अंतर होता है और इन्हें मुख्यतः तीन समूहों में बांट सकते हैं:

- यूरोपीय और अंग्रेज मूल से काउकेसियन (गोरी जातियां)
- पीले अथवा सुनहले हल्के रंग वाले एशियाई मूल के लोग (पूर्ववासी जातियां)
- काले अथवा नीले रंग वाले अफ्रीकी (काली जातियां)

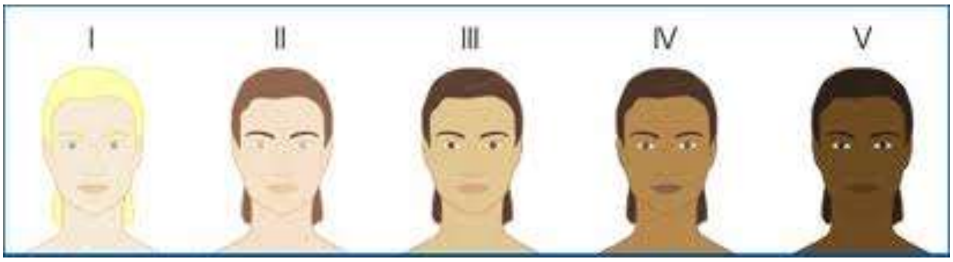

यह एक व्यापक अंतर है और यह संभव नहीं है कि प्रत्येक व्यक्ति को किसी श्रेणी में फिट करें।

सौंदर्य विशेषज्ञ के विचार से त्वचा को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है–

- उदासीन अथवा नीले रंगत वाला
- उष्ण अथवा नारंगी त्वचा रंगत

कार्य स्थल की तैयारी

1) मेक अप कक्ष प्रकाशमान और तटस्थ रंग से सज्जित होना चाहिए ताकि अनावश्यक छाया (Shadow) सृजन से बचा जा सके।

2) कक्ष पर्याप्त रूप से हवादार होना चाहिए।

3) प्रत्येक मेक अप आर्टिस्ट के लिए एक आईना, एक टेबल और प्रकाश की व्यवस्था होनी चाहिए।

4) इलेक्ट्रीक प्वाइंट पर्याप्त होने चाहिए और इनके इस्तेमाल से पूर्व इसकी जांच कर ली जानी चाहिए।

5) गर्म और ठंडा पानी आने के लिए वाशबेसिन होना चाहिए।

6) आरामदायक तरीके से कार्य करने के लिए तापमान और नमी सही स्तर में होना चाहिए और यह स्थिर हो ताकि मेक अप के सामानों का रख रखाव सही तरीके से हो।

7) मेक अप कक्ष में प्रकाश भरपूर हो , आदर्श रूप में वही प्रकाश हो जिस प्रकाश में मेक अप को देखा जाना है क्योंकि रंग का आभास प्रकाश के बदलने पर बदल सकता है।

8) मेक अप अनुप्रयोग के लिए पर्याप्त जगह होना महत्वपूर्ण है । चूंकि मेक अप के कंटेनरों को साफ करना सामान्यतया कठिन होता है इसलिए जिन उत्पादों की आपको आवश्यकता हो केवल सदा उन्हें ही खोलें; और किसी भी चीज को लगाने से पूर्व उन सभी चीजों का ढ़क्कन खोलें। जब आपका अनुप्रयोग का कार्य संपन्न हो जाए तो अपने हाथ साफ कर लें और कंटेनरों को बंद कर दें।

ग्राहक को मेक अप के लिए तैयार करना

ग्राहक को मेक अप कक्ष में ले जाएं। मेक अप कार्य शुरू करने से पूर्व ग्राहक के साथ आप मेक अप योजना के बारे में चर्चा करें और उनके रिकार्ड कार्ड में महत्वपूर्ण ब्यौरों को नोट करें।

1. अपने हाथ साफ करें।
2. अपने ग्राहक को गाउन या साफ तौलिया लपटने दें अथवा उनके कपड़ों को ढ़कने के लिए **कैप** दें।
3. बालों की रक्षा करने के लिए हेयर लाइन के आसपास हेडबैंड अथवा हैयर क्लिप लगाएं।
4. चेहरे और गले में पहने किसी भी आभूषण को हटाकर सुरक्षित स्थान पर रख दें।
5. उनसे रिकार्ड कार्ड के अनुसार किन्हीं ज्ञात सौंदर्य प्रसाधन उत्पादों के प्रति एलर्जी के बारे में पूछे।
6. सफाई: मेक अप प्रक्रिया के लिए प्रथम आवश्यक कार्य त्वचा की सफाई है क्योंकि इससे त्वचा को मेक अप के लिए तैयार किया जाता है।

ग्राहक की त्वचा के प्रकार के अनुसार क्लींजर का चुनाव किया जाना चाहिए । कई प्रकार के क्लींजर आजकल उपलब्ध हैं:

- क्लींजिंग मिल्क
- फोमिंग क्लींजर
- क्लींजिंग बार
- औषधियुक्त क्लींजर
- क्लींजिंग ग्रेन्यूल्स

- आई मेक अप रिमूवर

आई मेक अप को हटानाः यह सुनिश्चित करें कि ग्राहक की आंखें बंद हों, भींगी हुई रूई पर आई मेक अप रिमूवर लें और उपरी आंख की पलकों पर आई मेक अप को बाहर की ओर पोछें । मेक अप लगी रूई को फेंक दें। दूसरी आंख के लिए नई रूई का इस्तेमाल करें।

लिप मेक अप को हटानाः भींगीं रूई पर उपयुक्त क्लींजर लगाएं, लिप्सटिक को पूर्णतः हटा दें । मेक अप लगी रूई को फेंक दें।

चेहरे और गले को अच्छी तरह से उपयुक्त क्लींजर से साफ करें। चेहरे और गले में थोड़ी मात्रा में क्लींजर लगाएं और इसे हल्का से मले और भींगी हुई रूई से क्लींजर के पूरी तरह हट जाने तक हटाते रहें। भींगी हुई रूई से एस्टेरीजेंट (तैलीय त्वचा के लिए) और टोनर (शुष्क त्वचा) को चेहरे और गले पर लगाएं।

7. आवर्धक लैंप के इस्तेमाल से त्वचा की जांच करें। उन क्षेत्रों की पहचान करें जहां विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

8. मोस्चेराइजर (यदि आवश्यक हो) लगाएं ।

मेक अप की तैयारी

एक बार जब आप परामर्श सत्र के दौरान सारी सूचनाएं एकत्रित कर लें तो आपको उक्त ग्राहक के लिए उपयुक्त मेक अप योजना के चयन की आवश्यकता होगी।

मेक अप करते समय मूलभूत और आवश्यक जरूरतों के बारे में ध्यानपूर्वक सोचें। मेक अप का प्लान बनाते समय निम्न के बारे में ध्यान रखें।

- किस संदर्भ में ग्राहक मेक अप की योजना बना रही है।
- किस क्षेत्र में विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।
- कपड़ों, आंखों और बालों का रंग कैसा है?
- त्वचा के प्रकार और तदनुसार ही मेक अप उत्पादों का चयन।
- चेहरे का आकार, चेहरे की खासियत, आयु और ग्राहक का पेशा।
- अनुप्रयोग क्रम।
- **प्रकाश की आवश्यकता** ।
- मेक अप लगाने के लिए आवश्यक समय का आकलन करें। अपेक्षित समय के आकलन में यथार्थवादी बने।

ग्राहक के साथ मेक अप योजना पर चर्चा करें। और आवश्यक समायोजन करें।

मेक अप का अनुप्रयोग:

1. एंटीसेप्टिक साबुन से अपने हाथ होएं।

2. ग्राहक **को कैप पहनायें**। गले के **कैप** और सिर **पर हैडबैड** का प्रयोग करें।

3. उचित क्लींजर से चेहरे और गले को अच्छी तरह से साफ करें।

4. टोनर और मोस्चराइजर का इस्तेमाल करें।

5. बेस लगानाः

क) थोड़ा सा प्राइमर लें और चेहरे पर समान रूप से लगा लें।

ख) कांसिलरः फाउंडेशन की अपेक्षा थोड़ा हल्का एक या दो रंगों का चयन करें। इसे आंखों के नीचे के छोटे–छोटे दागों या काले धब्बों को छिपाने के लिए लगाएं। कांसिलर में त्वचा की रंगत को सही करने के लिए **कई बेस रंग** हो सकते हैंः

1. हरा– यह उच्च रंग (लाल धब्बे) की प्रतिक्रिया में सहायक होता है।

2. नीला– हल्की (पीला) त्वचा से प्रतिक्रिया करता है।

3. नारंगी– नीले/काले धब्बों से प्रतिक्रिया करता है।

इसे ब्रश, स्पंज या अंगूली से लगाएं

ग) हाइलाइटरः भौंह रेखा, मस्तक, टुड्डी और गले की हड्डी को उभारने के लिए उजले या हल्के रंग का प्रयोग करें। स्पंज या **अंगुली** के **पैरों** सहारे इसे समान रूप से मिलाएं।

घ) कंटोरिंगः गाल की हड्डियों और अन्य आकृतियों, जिन्हें आप छोटा प्रतीत करना चाहते हैं, उनके नीचे अधिक गहरा रंग लगाएं। विभाजक रेखाएं बनने से बचने के लिए इसे सही तरीके से मिश्रित करें।

6. फाउंडेशन लगाएं:

ग्राहक की त्वचा के सदृश्य फाउंडेशन के समान रंग का चयन करें।

ग्राहक के जबड़े की रेखा अथवा ललाट पर फाउंडेशन के रंग की जांच करें।

होंठों और **आई लड** सहित संपूर्ण चेहरे को ढ़कने के लिए फाउंडेशन लगाएं।

फाउंडेशन के भौंह पर अवरूद्ध होने से बचें।

मुलायम ब्रश अथवा कॉस्मेटिक स्पंज की सहायता से फाउंडेशन लगाएं । कवरेज का परिक्षेप भिन्न हो सकता है, यदि वैज स्पंज का इस्तेमाल किया जाता है तो कवरेज हल्का होगा और यदि शुष्क स्पंज का इस्तेमाल किया जाता है तो कवरेज भारी होगा।

बाल रेखा और जबड़ा रेखा के आस पास विभाजक रेखाएं बनने से बचने के लिए फाउंडेशन को अच्छी तरह से मिलाएं।

7. पाउडर लगानाः

प्रति संक्रमण से बचने के लिए टिशु पर थोड़ी मात्रा में पाउडर निकालें। लगाने के लिए पाउडर ब्रश या पफ का इस्तेमाल करें। अच्छे परिणाम के लिए पारभासक पाउडर लगाएं। अपने ग्राहक से आंखों को बंद रखने के लिए कहें। पाउडर पफ का इस्तेमाल करें, संपूर्ण चेहरे पर पाउडर प्रेस करें और उसके पश्चात अतिरिक्त पाउडर को हटाने के लिए बड़े पाउडर ब्रश का इस्तेमाल करे। चेहरे के बाल को समतल करने के लिए अंतिम सिरे पर नीचे की ओर घुमाएं।

8. ब्लशर का प्रयोगः

यदि आप पाउडर ब्लशर का इस्तेमाल करते हैं तो इसके पूर्व फेस पाउडर का इस्तेमाल करें। यदि आप क्रीम ब्लशर का इस्तेमाल करते हैं तो पहले ब्लशर का इस्तेमाल करें और उसके पश्चात फेस पाउडर का इस्तेमाल करें। इससे ब्लशर को शेट करने और क्रीम ब्लशर की चमक को हटाने में सहायता प्राप्त होगी।

- नाक से कम से कम 1.5 इंच (दो अंगुली) हटा कर गाल पर रंग लगाएं।
- आंखों के कोटर क्षेत्र में गाल के रंग को मिश्रित न करें।
- ब्रश चलाने की दिशा उपर की ओर और बाल रेखा में नीचे की ओर होनी चाहिए।
- ब्लशर का विस्तार मस्तक अस्थि से बाहर नहीं होना चाहिए।

9. आई मेक अप का इस्तेमालः

क) भौंह का रंगः आई ब्रो शेडो या पेंसिल के उपयुक्त रंग का चुनाव करें। भौंह पर ब्रश चलाएं ताकि अधिशेष फाउंडेशन या पाउडर को हटाया जा सके। आकार और रंग भरने के लिए हल्के हाथ से आई ब्रो रंग लगाएं।

ख) आई शेडोः

- हल्के आधार वाले रंग का चयन करें और आंखों की संपूर्ण पलकों पर लगाएं।
- शेडिंग कलर के रूप में भौंह की झुर्री तक मध्यम रंग लगाएं।
- आंखों को सुंदर बनाने के लिए आंखों की पुतली के भीतर उपरी भाग में आंखों के बाहरी कोने से गहरे रंग लगाएं।

ग) आई लाईनरः

- यदि आप पेंसिल लाईनर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो इसे इस्तेमाल करने से पहले और बाद में तेज करें।
- स्पष्ट लाईन बनाने के लिए तरल लाईनर का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।
- आई शेडो (चमक रहित) के ब्रश को पानी में भींगों कर लाईनर की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है।
- जहां तक संभव हो बरौनी तक लाईनर लगाएं।

घ) मस्कराः अपने ग्राहक को नीचे देखने के लिए कहें। बरौनी पर कंघी करें। मस्करा ब्रश से नीचे से लगाते हुए उपर बरौनी तक इसे लगाएं।

बरौनी को स्वाभाविक छल्ला प्रदान करने के लिए मस्करा लगाने के पूर्व या उसके बाद आई लैस कर्लर का इस्तेमाल करें।

होठों के मेक अप का इस्तेमालः

क) लिप प्राइमर/ बामः लिप प्राइमर या बाम लगाने के लिए ब्रश का इस्तेमाल करें।

ख) लिप लाइनरः अपने ग्राहक को अपने होठों को फैलाने के लिए कहें। सर्वप्रथम होठों के बाहरी किनारों पर लाईन खीचे और उसके पश्चात लिप लाइनर भरें और लिपस्टिक के रूप में इसका इस्तेमाल करें। यह लिप्सटिक और रंग को अधिक देर तक बनाए रखता है।

ग) लिप्सटिकः लिप ब्रश से लिप्सटिक लगाएं । अपने ग्राहक को होठों को शिथिल करने और थोड़ा खोलने के लिए कहें। उर्ध्व दिशा में लिप्सटिक स्ट्रोक करें। टिशू से अधिशेष लिप्सटिक को पोछकर हटा दें। पुनः लिप्सटिक लगाएं।

घ) लिप ग्लोसः यदि आवश्यक हो तो ब्रश का उपयोग करते हुए थोड़ी मात्रा में लिप ग्लोस लगाएं।

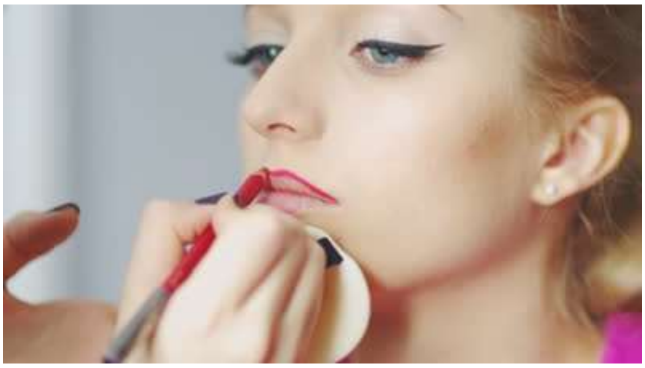

अभ्यास प्रश्न (सैद्धांतिक):

प्रश्न 1. ग्राहक से परामर्श करते समय पूछे जाने वाले **कुछ** प्रश्न लिखें।

प्रश्न 2. त्वचा के प्रकार की सूची दें। तैलीय त्वचा प्रकार की विशेषताओं के बारे में लिखें।

प्रश्न 3. उन बिंदुओं को लिखें जिन्हें ग्राहक को मेक अप के लिए तैयार करते समय ध्यान में रखा जाना चाहिए।

प्रश्न 4. ग्राहक के लिए आई मेक अप की प्रक्रिया लिखें।

अभ्यास प्रश्न (व्यवहारिक):

प्रश्न 1. मेक अप के लिए ग्राहक को तैयार करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करें।

प्रश्न 2. मेक अप करने के पूर्व त्वचा विश्लेषण की प्रक्रिया का प्रदर्शन करें।

प्रश्न 3. मेक अप लगाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करें।